Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-202

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination June – 2022

M.A. Darshan, Semester : Second
Darshan ; Paper : Second

न्याय–वैशेषिक–2

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. संशय की असत्ता के प्रतिपादक पूर्वपक्ष का निराकरण करते हुए, संशय के स्वरूप का औचित्य सिद्ध करें।
2. प्रत्यक्ष लक्षण परीक्षा के प्रसङ्ग में प्रत्यक्षलक्षण की अनुपपत्ति की आशंका तथा उसका समाधान सविस्तार वर्णन करें।
3. न्यायदर्शनानुसार 'शब्द' नित्य है या अनित्य अपने पक्ष में कोई तीन प्रमाण देकर पुष्ट करें।
4. वैशेषिक दर्शनानुसार आत्मा के साधक लिङ्गों का वर्णन करते हुए उसके एकत्व, द्रव्यत्व व नित्यत्व को सिद्ध करें।
5. वैशेषिक दर्शनानुसार सद्हेतु तथा हेत्वाभासों का प्रमाणपूर्वक वर्णन करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. न्यायदर्शनानुसार अर्थवाद एवं अनुवाद के स्वरूप का निरुपण करें।
7. अर्थवाद एवं पुनरुक्ति में क्या अन्तर है? सोदाहरण समझाइएं।
8. विधिवाक्य के स्वरूप का निरुपण करें।
9. व्यक्ति, आकृति व जाति की परिभाषा बतायें।
10. मन के एकत्व, द्रव्यत्व व नित्यत्व को कणाद ऋषि के मत में प्रमाणपूर्वक सिद्ध करें।
11. कणाद ऋषि के परमाणुवाद का निरुपण करें।

----------X----------